पाठ -११ गृह प्रबंध

H18ZZ3

मम्मी! चटाई बिछाओ, मुझे पढ़ाई करनी है - भूमिका ने कहा।

मम्मी ने कहा, नहीं आप दीदी के पास जाइए और अपनी कुर्सीपर बैठकर पढ़िए।

लेकिन मुझे कई काम करने है। सवाल हल करना है। कविता याद करनी है और... चित्र भी बनाना है। - भूमिका एक ही साँस में सब कह गई। चटाई पर बैठकर तो मैं सब्जी काट रही हूँ। मम्मी ने समझाते हुए कहा।

भूमिका झटपट अपना बैग उठाए चटाई पर जा पहुँची। सभी कॉपी-किताबें बाहर निकाली और गणित के सवाल हल करने में लग गई। गणित का काम अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि उसे चित्र बनाने की सूझी। एक-एक करके पेंसिल, रबर, कटर और ब्रश निकाला फिर जुट गई चित्र बनाने में। तभी उसे ध्यान आया कि उसके पास लाल रंग नहीं है। वह लतिका का भी बस्ता उठा लायी, जैसी, उसकी आदत थी, लाल रंग खोजने के चक्कर में उसने लतिका के बस्ते से भी एक-एक करके सभी चीजें बाहर निकाल कर रख दी।

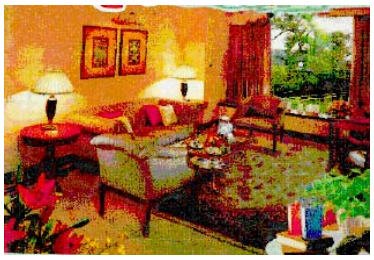

सुव्यवस्थित कक्ष

मम्मी ने टोका- आपने सारी चीजें इधर-उधर क्यों बिखरा दी ? जिनकी जरूरत न हो, उन्हें बैग में रख दें।

ठीक है, ठीक है, काम पूरा करके मैं सारी चीजें रख दूँगी। भूमिका ने तुनकते हुए कहा और अपने काम में पुनः लग गई। कुछ देर पश्चात् वह अपने पाठ को पढ़ने में लग गई-

माँ कह एक कहानी....

राजा था या रानी ....

लतिका से रहा न गया। वह कुर्सीसे उठी और भूमिका के पास आ गई। अपने बस्ते की चीजों को इधर-उधर बिखरा देख उसे बहुत गुस्सा आया। वह कुछ कह पाती कि अचानक बिजली चली गई।

'भूमिका! बैठी रहिए। कुछ इधर-उधर मत करिए। लतिका! टार्चे खोज लाइए। सामने खूँटी पर टँगा होगा।' - मम्मी ने एक साथ दोनों को निर्देश देते हुए कहा।

लेकिन, टार्चे यहाँ नहीं है। लतिका ने कहा।

मैंने, उसे बिस्तर पर रख दिया था भूमिका थोड़ा सोचते हुए बोली।

आप सब गड़बड़ करती हैं। इस बार मम्मी और लतिका ने एक साथ कहा।

ठीक है, मैं देखती हूँ। ऐसा कहकर मम्मी उठीं ही थीं कि उनका पैर टोकरी से टकरा गया। चटाई पर रखी सब्जियाँ बिखर गई।

इतना कहकर वे किसी प्रकार टार्चे ढूँढ़ ही पाई ंथी कि बिजली आ गई।

कमरा रोशनी से जगमगा उठा। लेकिन यह क्या? सभी कापॅी-किताबों पर रंग फैल गया था।

लतिका ने अपनी कॉपी-किताबों पर रंग बिखरा देखा तो उसे भी बहुत क्रोध आया। वह गुस्से में बोली- भूमिका, आपको छोड़ूँगी नहीं। आपने मेरी सारी कॉपियाँ गंदी कर दीं।

बात बढ़ती देख मम्मी ने कहा- भूमिका मैं तो पहले ही कह रही थी कि एक-एक काम को बारी-बारी से पूरा करते हुए उन चीजों को बस्ते में रखते चलो। लेकिन आपकी आदत ही ऐसी नहीं है। एक दिन की बात नहीं है, आप रोज ही ऐसा करती हैं। आपको अपने बस्ते या घर की वस्तुओं के रख-रखाव के नियम-कानून बनाने होंगे। घर-गृहस्थी सँभालने के तौर-तरीके सीखने होंगे।

भूमिका और लतिका दोनों ही गम्भीर थीं। दोनों ने विश्वास भरे स्वर में एक साथ पूछा- कैसे?

इसमें क्या बड़ी बात है ? क्या आप अपने स्कूल में नहीं देखती ं? श्यामपट्ट कहाँ रखा जाता है ? चॉक-डस्टर कहाँ रखा जाता है ? बाल्टी, मग कहाँ रखा जाता है ? मम्मी ने कहा।

देखा तो है। इन सभी चीजों को एक निश्चित स्थान पर ही रखा जाता है, इस बार भूमिका बोली।

ऐसा काम तो हम घर में भी कर सकते हैं, लतिका ने निर्णय के स्वर में कहा।

तो ठीक है। आप दोनों कागज-कलम लें। अपने घर की सभी वस्तुओं की सूची उनके उपयोग के अनुसार बनाएं। फिर घर में इन्हें कहाँ रखा जाए मिलकर तय करें। मम्मी ने बताया कि-वस्तुओं को प्रयोग करने के बाद उसे पुनः अपने स्थान पर रखें।

भूमिका द्वारा बनायीं गयी सूची

खिलौने	पहनने की वस्तुएँ	पढ़ाई से संबंधित	आकस्मिक आवश्यकता	सोने से संबंधित
गेंद	शर्ट	कापियाँ	टॉर्च	चादरें
बल्ला	पैन्ट	किताबें	माचिस	तकिया
गुड्डा	फ्रॉक	पेन	दवाइयाँ	रजाई
गुड़िया	स्वेटर	पेंसिल	चाभियाँ	गद्दे
.....	जूता	कलर बाक्स	.....	.....
.....	मोजा	अख़बार	.....	.....
.....	.....	पत्रिकाएँ	.....	.....

लतिका द्वारा बनायीं गयी सूची

रसोई की चीजें	नित्यकर्म से संबंधित	स्वच्छता से संबंधित	औजार/उपकरण	अन्य वस्तुएँ
अनाज	साबुन	झाड़ू	चाकू	टेप
मसाले	शेविंग पाउडर	पोंछा	टॅसिया	टीवी
बड़े बरतन	मंजन	बरतन धुलने का साबुन	कुदाल	मोबाइल
थाली	ब्रश	कूड़ादान	फावड़ा	.....
गिलास	तौलिया	.....	.....	.....
स्टोव	.....	.....	.....	.....
गैस	.....	.....	.....	.....

लतिका और भूमिका ने अपने घर की समस्त वस्तुओं की सूची बनाई।

आप भी अपने घर की वस्तुओं के नाम लिखिए। इनको अलग-अलग रखने के लिए आपके घर में सबसे उपयुक्त स्थान कहाँ है ?

लतिका और भूमिका ने अगले दिन पूरी मेहनत के साथ लगकर घर की सभी वस्तुओं को व्यवस्थित ढंग से लगा दिया। दोनों ने मम्मी की रसोई को भी ठीक करने की सोची। फिर क्या? रसोई के सभी छोटे-बड़े डिब्बों को झाड़ा-पोंछा, उन पर नाम की पर्ची चिपकाई और उन्हें छोटे-बड़े क्रम में सजा दिया। मम्मी बहुत खुश हुईं।

अभी मुश्किल से तीन-चार दिन ही बीते होंगे कि उनके सामने एक नई समस्या आ गई वे जिस भी चीज को उठातीं उस पर धूल पड़ी मिलती।

एक दिन भूमिका ने कहा- 'दीदी, हमें इन चीजों की साफ-सफाई के लिए भी नियम बनाने होंगे।' लतिका खुश होकर बोली- 'देर किस बात की है ? अभी बना लेते हैं। फिर दोनों ने साफ-सफाई के नियम- कानून बनाए।

गृह-प्रबंध

घर के सभी सदस्यों की आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं की उपलब्धता तथा उनका उचित रख-रखाव ही गृह-प्रबंध है।

या

घर की समस्त वस्तुओं का उनके उपयोग के अनुसार घर में रख-रखाव करना ही गृह-प्रबंध है।

कुछ विशेष बातें-

- भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना गृह-प्रबंध के लिए आवश्यक है।
- गृह-प्रबंध का सीधा संबंध हमारी सोच, हमारी आदतों से होता है। ये आदतें हमें अपने अंदर स्वयं ही विकसित करनी होंगी। अच्छे गृह-प्रबंध के लिए घर के सभी सदस्यों को एक-दूसरे की आदतों के बारे में बात भी करते रहना चाहिए।
- गृह-प्रबंध के लिए हमें वस्तुओं के प्रयोग के तौर-तरीकों को भी जानना चाहिए। घर में जब भी कोई नई वस्तु आए, घर के सभी सदस्यों को उसके प्रयोग के तरीकों के बारे में जान लेना चाहिए।
- घर के उचित प्रबंधन में समय-पालन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घर के सभी सदस्यों को नित्यकर्म, नाश्ता, भोजन आदि निर्धारित समय पर ही करना चाहिए।

अवधि	स्थान/वस्तु	सफाई कार्य	दायित्व
दैनिक	कमरे का फर्श	झाड़ू लगाना। पोंछा लगाना।	
	बरतन	बरतन धोने के साबुन से, लकड़ी के पटरे पर रखकर हल्के हाथ से माँजकर साफ पानी से धोना।	
साप्ताहिक	चादर/तौलिया	डिटरजेन्ट या साबुन के घोल में भिगोना तथा धोना।	
मासिक	रसोई घर के डिब्बे	साफ कपड़े से पोंछना।	
	फर्नीचर	कवर बदलना।	
वार्षिक	घर की दीवारों पर	पुताई कराना।	

आप भी उपर्युक्त सारिणी को पूरा करके अपने घर के साफ-सफाई की योजना बनाइए।

भूमिका, लतिका और मम्मी पापा अब सभी बहुत खुश थे क्योंकि बिजली रहे न रहे, अब कोई परेशानी नहीं होती थी। घर में किसी सामान को ढूँढ़ने के लिए परेशान भी नहीं होना पड़ता था।

जानते हो क्यों ? क्योंकि भूमिका और लतिका ने मम्मी-पापा के साथ मिलकर अपने घर का प्रबंध सँभाल लिया था। उन्होंने रहन-सहन के कुछ कायदे-कानून भी बना लिए थे। घर के सभी सदस्य उन नियमों का पालन भी करते थे। किसी से कोई भी गड़बड़ी हो, उसे भूमिका समझाने से चूकती नहीं थी क्योंकि उसने जान लिया था गृह-प्रबंध कैसे करते हैं ?

अब आप भी समझ गए गृह प्रबंध। अब अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ मिलकर घर का रख-रखाव उचित ढंग से किया करें।

अभ्यास

1.बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प के सामने दिए गोल घेरे को काला करें-

(1) घर का प्रबंध सबसे अधिक प्रभावी होता है

(क) आमदनी से

(ख) रहन-सहन के तरीकों से

(ग) वस्तुओं के मूल्य से

(घ) मँहगाई से

(2) अच्छे गृह प्रबंघ के लिए कौन सी सूची बेमेल है-

(क) टूथब्रश, मंजन, साबुन, तौलिया

(ख) दाल, चावल, आटा, बेसन

(ग) जूता, मोजा, पॉलिश, ब्रश

(घ) टी.वी., टेपरिकार्डर, रेडिया, स्टोव

2.अति लघुउत्तरीय प्रश्न

(क) आकस्मिक आवश्यकता की किन्हीं चार वस्तुओं के नाम लिखिए।

(ख) वार्षिक सफाई में कौन-कौन से कार्य आते है ?

3.लघु उत्तरीय प्रश्न

(क) आप अपने घर की दैनिक सफाई में कौन-कौन से कार्य करते हैं ?

(ख) गृह प्रबंध से आप क्या समझते है ं?

4.दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक सफाई के अंतर्गत आप कौन-कौन से कार्य करते हैं ?

(ख) गृह प्रबंध के क्या लाभ है, घर के प्रबंधन में किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

प्रोजेक्ट वर्क- अभिभावकों की सहायता से अपने घर में उपलब्ध घरेलू वस्तुओं की दैनिक, साप्ताहिक, मासिक एवं वार्षिक सफाई की एक सूची बनाइए।